भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. †54
सोमवार, 18 जुलाई, 2022/27 आषाढ़, 1944 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

पर्यटन स्थलों पर रोजगार सृजन

†54. डॉ. जयसिद्धेश्वर शिवाचार्य स्वामीजीः
श्री डॉ. उमेश जी. जाधवः
श्री एस. मुनिस्वामीः
श्री कराडी सनगन्ना अमरप्पाः
श्री अण्णासाहेब शंकर जोल्लेः
श्री बी.वाई. राघवेन्द्रः
श्री प्रताप सिम्हाः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने पर्यटन स्थलों पर रोजगार सृजन की अपार संभावनाओं पर कोई ध्यान दिया है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उन पर्यटन स्थलों के क्या नाम हैं जहां सरकार द्वारा की गई पहल से स्थानीय लोगों को वास्तव में लाभ मिला है;
(ग) क्या सरकार के पास देश के प्रत्येक राज्य में 5 से 10 नए पर्यटन स्थलों की पहचान करने की कोई योजना है जिन्हें अगले पांच वर्षों में विशेष रूप से तैयार किए गए मास्टर प्लान के आधार पर बुनियादी पर्यटन सुविधाओं से युक्त संभावित पर्यटन स्थलों के रूप में संवर्धित और विकसित किया जा सकता है; और
(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) और (ख): जी हां, महोदय । पर्यटन मंत्रालय ने सात प्रतिष्ठित स्थलों अर्थात आगरा में ताजमहल, दिल्ली में हुमायूं का मकबरा, लाल किला, क़ुतुब मीनार, बिहार में महाबोधि मंदिर, गोवा में कोलवा बीच और असम में काजीरंगा में गंतव्य आधारित कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम वर्ष 2019-20 से प्रारंभ किया है जिसका उद्देश्य इन पर्यटन स्थलों एवं गंतव्यों के आसपास रहने वाले स्थानीय लोगों को प्रशिक्षित करना, उनका उन्नयन करना और उन्हें जानकारी प्रदान करना है ।

यह कार्यक्रम वित्तीय वर्ष 2020-21 में जारी रहा और बढ़कर 150 से भी अधिक नए गंतव्यों तक पहुंच गया है । तथापि, कोविड 19 महामारी के कारण यह कार्यक्रम 44 गंतव्यो पर आयोजित हुआ है । गंतव्यों की सूची **अनुबंध-I** में दी गई है ।

यह कार्यक्रम वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान जारी रहा और अब तक 48 गंतव्यों पर यह कार्यक्रम हो चुका है । गंतव्यों की सूची **अनुबंध-II** में दी गई है ।

पर्यटन मंत्रालय ऑनलाइन अतुल्य भारत पर्यटक सुविधाप्रदाता प्रमाणन (आईआईटीएफसी) पाठ्यक्रम आयोजित करता है । इनमें बेसिक, एडवान्स (हेरिटेज तथा एडवेंचर), मौखिक भाषा और पुनश्चर्या पाठ्यक्रम पढ़ाए जाते हैं । अभी तक कुल 3795 प्रत्याशियों को सफलतापूर्वक प्रमाणन प्रदान किया गया है ।

(ग और घ) : नए पर्यटन स्थलों का विकास और उनकी पहचान करना मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन की जिम्मेदारी है और यह एक सतत प्रक्रिया है । तथापि पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार स्वदेश दर्शन, प्रशाद तथा केंद्रीय एजेंसियों को सहायता नामक अपनी योजनाओं के अंतर्गत पर्यटको को बेहतर पर्यटन अनुभव प्रदान करने के लिए पर्यटन संबंधी अवसंरचना और सुविधाओं के विकास हेतु राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्रों/केंद्रीय एजेंसियों को केंद्रीय वित्तीय सहायता प्रदान करता है । इन योजनाओं के अंतर्गत

विकास हेतु परियोजनाओं की पहचान राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से की जाती है और निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की प्रस्तुति, योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन तथा पूर्व में जारी निधियों की उपयोगिता की शर्त पर उन्हें स्वीकृति प्रदान की जाती है ।

पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटक एवं गंतव्य केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी एवं जिम्मेदार गंतव्यों के विकास के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के रूप में अपनी स्वदेश दर्शन योजना को नया रूप दिया है ।

*****

अनुबंध -I

पर्यटन स्थलों पर रोजगार सृजन के संबंध में दिनांक 18.07.2022 के लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. +54 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में **विवरण**

क्र. सं.	**गंतव्य का नाम**	**राज्य**
1	मालनिथन	अरुणाचल प्रदेश
2	दूरजिलिंग	अरुणाचल प्रदेश
3	जीरो, लोअर सुबनसिरीच	अरुणाचल प्रदेश
4	नामसाई, नामसाई जिला	अरुणाचल प्रदेश
5	काजीरंगा	असम
6	कामाख्या मंदिर	असम
7	वैशाली	बिहार
8	अग्रसेन की बावली	दिल्ली
9	ब्रह्म सरोवर	हरयाणा
10	शेख चिल्ली का मकबरा	हरयाणा
11	रॉक-कट मंदिर	हिमाचल प्रदेश
12	मैकलोडगंज	हिमाचल प्रदेश
13	भेड़ाघाट	जबलपुर
14	पतरातू	झारखंड
15	मंगोलिया सनसेट प्वॉइंट	झारखंड
16	हम्पी	कर्नाटक
17	श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर	केरल
18	बेकल किला	केरल
19	ग्वालियर का किला	मध्य प्रदेश
20	ओरछा	मध्य प्रदेश
21	भीमबेटका के प्रागैतिहासिक शैलाश्रय	मध्य प्रदेश
22	पन्ना	मध्य प्रदेश
23	एलीफेंटा गुफाएं	महाराष्ट्र
24	चेरापूंजी	मेघालय
25	लिविंग रूट ब्रिज	मेघालय
26	फ़ॉकलैंड, आइजॉल	मिजोरम
27	फौंगपुइ त्लैंग (लॉन्टलाई)	मिजोरम
28	लियानछियारी लुंगलेन त्लैंग, डुंगटलांग (चम्फाई)	मिजोरम
29	रीक (ममित)	मिजोरम
30	आनंदपुर साहिब	पंजाब
31	स्वर्ण मंदिर अमृतसर	पंजाब
32	एम्बर फोर्ट	राजस्थान
33	कैलाश नाथ मंदिर, कांचीपुरम	तमिलनाडु
34	महाबलीपुरम	तमिलनाडु
35	रामेश्वरम	तमिलनाडु
36	रामप्पा मंदिर, वारंगल	तेलंगाना
37	गोलकोंडा किला, हैदराबाद	तेलंगाना
38	वैष्णोदेवी (कटरा)	केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर
39	भदेरवाह	केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर
40	पहलगाम	केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर
41	लेह पैलेस	केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख

42	ताज महल, आगरा	उत्तर प्रदेश
43	बद्रीनाथ	उत्तराखंड
44	गंगोत्री	उत्तराखंड

******

अनुबंध -।।

पर्यटन स्थलों पर रोजगार सृजन के संबंध में दिनांक 18.07.2022 के लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. +54 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में **विवरण**

क्र. सं.	**गंतव्य का नाम**	**राज्य**
1	भगवान वेंकटेश्वर मंदिर	आंध्र प्रदेश
2	काजीरंगा	असम
3	कामाख्या मंदिर	असम
4	हरिहर नाथ मंदिर, सोनपुर, बिहार	बिहार
5	मैकलोडगंज	हिमाचल प्रदेश
6	रॉक कट गार्डन	हिमाचल प्रदेश
7	पतरातू, झारखंड	झारखंड
8	नेतरहाट	झारखंड
9	देवरी मंदिर	झारखंड
10	हम्पी	कर्नाटक
11	सर्वंगोलोबेला	कर्नाटक
12	मैसूर पैलेस अंबास विलास	कर्नाटक
13	नेय्यर, त्रिवनंतपुरम	केरल
14	पोनमुडी, तिरुअनंतपुरम	केरल
15	अचन्कोलिक कोल्लम	केरल
16	थेक्कडी, इडुक्की	केरल
17	वागामोन, इडुक्की	केरल
18	गवी, इडुक्की	केरल
19	ओरछा	मध्य प्रदेश
20	भेड़ाघाट	मध्य प्रदेश
21	ग्वालियर का किला	मध्य प्रदेश
22	सतना	मध्य प्रदेश
23	पन्ना	मध्य प्रदेश
24	छतरपुर	मध्य प्रदेश
25	भोजपुर	मध्य प्रदेश
26	गेटवे ऑफ इंडिया	महाराष्ट्र
27	लिविंग रूट ब्रिज चेरापूंजी	मेघालय
28	मावफलांग सेक्रेड ग्रोव	मेघालय
29	चंद्रभागा, कोणार्क	ओडिशा
30	शीश महल, पटियाला	पंजाब
31	किला मुबारक	पंजाब
32	महाबलीपुरम	तमिलनाडु
33	कैलाश नाथ मंदिर, कांचीपुरम	तमिलनाडु

34	यादगिरिगुट्टा मंदिर	तेलंगाना
35	वैष्णोदेवी (कटरा)	संघ राज्य क्षेत्र जम्मू और कश्मीर
36	कुपवाड़ा	संघ राज्य क्षेत्र जम्मू और कश्मीर
37	बनिहाल	संघ राज्य क्षेत्र जम्मू और कश्मीर
38	भदेरवाई	संघ राज्य क्षेत्र जम्मू और कश्मीर
39	मंतलाई	संघ राज्य क्षेत्र जम्मू और कश्मीर
40	पहलगाम	संघ राज्य क्षेत्र जम्मू और कश्मीर
41	डल झील, श्रीनगर	संघ राज्य क्षेत्र जम्मू और कश्मीर
42	लेह पैलेस	संघ राज्य क्षेत्र लद्दाख
43	चित्रकूट	उत्तर प्रदेश
44	फतेहपुर सीकरी	उत्तर प्रदेश
45	वाराणसी	उत्तर प्रदेश
46	मथुरा	उत्तर प्रदेश
47	ताज महल, आगरा, यूपी	उत्तर प्रदेश
48	गंगोत्री	उत्तराखंड

*****